नर सेवा नारायण सेवा

स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी

तिमाही वृत्तांत

जुलाई – सितम्बर 2025

धराली (उत्तरकाशी) आपदा में चिकित्सीय उपचार, सहायता एवं बचाव कार्य का निर्वहन करती हुई स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी की टीम

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः

https://www.twitter.com/svhmuk
https://www.facebook.com/svhmu
https://www-instagram.com/svhmuk/
https://www.svhmuk.in
svhmuk@gmail.com

"शक्ति जीवन है तो निर्बलता मृत्यु है। विस्तार जीवन है और संकुचन मृत्यु है। प्रेम जीवन है तो द्वेष मृत्यु है।"

-स्वामी विवेकानन्द

संपादक की कलम से

वर्ष की द्वितीय तिमाही, विशेषकर सितंबर माह, स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी के लिए सदैव ही अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियों से परिपूर्ण रही है और इस तिमाही में भी पुनः ईश्वर की असीम कृपा का अनुभव प्राप्त हुआ जब अनेक सृजनात्मक अध्यायों ने इस तिमाही को सुशोभित किया।

इस तिमाही की प्रमुख उपलब्धियां रहीं 31 अगस्त को स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, धर्मावाला में कैथ लैब सुविधा का शुभारंभ तथा 16 सितंबर को एम.आर.आई. एवं डिजिटल मैमोग्राफी इकाईओं का लोकार्पण। ये तीनों अत्याधुनिक सुविधाएं CSR (कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) सहयोग के अंतर्गत सोसाइटी को प्राप्त हुयी हैं जिसमें कैथ लैब रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली अनंता के द्वारा प्रायोजित की गयी है तथा एम.आर.आई. एवं डिजिटल मैमोग्राफी भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गयीं हैं।

इसी गौरवपूर्ण तिमाही में सोसाइटी ने अपना व चौदह चिकित्सालयों में से छह का स्थापना दिवस अत्यंत हर्षोल्लास एवं आह्लादपूर्ण वातावरण में मनाया।

किसी भी प्रकार की आपदाओं में बचाव कार्यों में सदैव अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के उद्देश्य के अनुरूप, सोसाइटी ने धराली (उत्तरकाशी) तथा थराली (चमोली) की भीषण बाढ़ आपदा पर बिना समय व्यर्थ किए राहत और बचाव कार्य प्रारंभ किया व समीपवर्ती सोसाइटी के चिकित्सालयों की टीमों ने कई किलोमीटर के क्षतिग्रस्त पहाड़ी मार्गों व नालों को पार करते हुए राहत शिविरों और मोबाइल चिकित्सा शिविरों में पीड़ितों का सतत उपचार एवं सांत्वना प्रदान करी।

तीर्थयात्रियों की सेवा के अपने संकल्प के अनुरूप, हरिद्वार और दिल्ली स्थित सोसाइटी के चिकित्सालयों ने इस वर्ष भी कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए।

धर्मावाला चिकित्सालय के हड्डी रोग विभाग ने पहला सफल टोटल हिप रिप्लेसमेंट (THR) जैसी उन्नत सर्जरी कर एक अनुपम कृति चिकित्सालय के इतिहास में अंकित कर ली । इसी क्रम में धर्मावाला चिकित्सालय में ऑन्कोलॉजी (कैंसर रोग), यूरोलॉजी (मूत्र रोग) एवं नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग) विभागों के सुपर स्पेशियलिटी ओ.पी.डी. का नियमित प्रारंभ होना भी इस तिमाही की एक उल्लेखनीय उपलब्धि रही।

इस तिमाही में विभिन्न उत्सवों में डॉक्टर्स डे, गुरु पूर्णिमा व गुरु दक्षिणा, हरेला, रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तथा विश्वकर्मा जयंती का उल्लासपूर्ण आयोजन हुआ, जिसने सोसाइटी परिवार में आनंद और आत्मीयता की भावना को और प्रगाढ़ किया।

श्री केदारनाथ धाम में सोसाइटी के नवनिर्मित आधुनिक चिकित्सालय का उद्घाटन, जो सितंबर माह के लिए निर्धारित था, लगातार वर्षा और प्रतिकूल मौसम के कारण स्थगित करना पड़ा । इसकी नवीन तिथि समयसर घोषित की जाएगी।

स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी की निष्काम सेवा–यात्रा इसी प्रकार से उज्ज्वल रूप से आगे बढ़ती रहेगी एवं आप सभी को इस दिव्य मानवसेवा के पथ पर जुड़ने हेतु स्नेहिल आमंत्रण है।

अप्राप्यं नाम नेहास्ति धीरस्य व्यवसायिनः।।

अनुक्रमणिका

03 हमारे धर्मार्थ चिकित्सालय
04-07 तिमाही विशेष
08 प्रवास विशेष
09-10 कुछ कहानियां सफलता की
11 विशेष चिकित्सा शिविर
12-13 मल्टी डिसिप्लिनरी शिविर
14 सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर
15 सामुदायिक कार्यक्रम
16-18 समारोहों की झलकियां
19 आंकड़े

संपादकीय एवं रूपांकन टोली
डॉ. ताराश्री सिंघल
डॉ. दीपक सिन्हा
श्रीमती स्वाति नायर

हमारे धर्मार्थ चिकित्सालय

धर्मावाला
सितम्बर 2012

उत्तरकाशी
दिसम्बर 2016

नारायणकोटी
मई 2017

बड़कोट
सितम्बर 2017

पीपलकोटी
जनवरी 2018

श्री बद्रीनाथ धाम
मई 2019

पेटशाल
जुलाई 2019

श्री केदारनाथ धाम
सितम्बर 2019

हरिद्वार
जनवरी 2021

गंगोत्री धाम
सितम्बर 2021

डुमेट
दिसम्बर 2021

दिल्ली
सितम्बर 2022

फिरोजाबाद
फरवरी 2024

वृन्दावन
जून 2024

स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी का गठन सन 2012 में कुछ युवा चिकित्सकों एवं सेवाभावी लोगो के द्वारा मानव सेवा हेतु किया गया था और जिनका लक्ष्य दुर्गम, पिछड़े, पहाड़ी, ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों व तीर्थस्थलों में उपेक्षित और शोषित वर्ग तथा तीर्थयात्रियों की सेवा करके मातृभूमि की वंदना करना और उन्हें चिकित्सीय सुविधा, शिक्षा और सामाजिक सुदृढ़ता प्रदान करना है।

सोसाइटी ने चार धामों में और उनके मार्गों में, चार धाम यात्रा पर आने वाले तीर्थयात्रियों को उच्च कोटी की स्वास्थ्य सुविधा देने के अपने संकल्प को पूर्ण करते हुए श्री बद्रीनाथ धाम, श्री केदारनाथ धाम व गंगोत्री धाम में ICU युक्त चिकित्सालयों का संचालन कर रही है, जिनमें लैब की सुविधा, डिजिटल एक्स रे, फार्मेसी इत्यादि समस्त सुविधाएं पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जा रही हैं। विदित हो की यह चिकित्सालय 24X7 कार्यरत हैं और इनमे कार्यरत स्टाफ high altitude sickness व उससे सम्बंधित स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करने के लिए प्रशिक्षित भी है।

सोसाइटी अपने धर्मार्थ चिकित्सालयों के अतिरिक्त अन्य परोपकारी कार्यों में भी योगदान कर रही है जिनमें प्रमुख है दुर्गम, पिछड़े व पहाड़ी क्षेत्रों में निःशुल्क सामुदायिक चिकित्सा शिविरों का नियमित आयोजन। इनके अतिरिक्त अन्य गतिविधियों में हैं, शिक्षा अभियान, स्वावलंबन अभियान एवं सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम। सोसाइटी द्वारा पांच सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाये जा रहे है, एनीमिया की रोकथाम, नियंत्रण और उपचार कार्यक्रम, स्तन एवं ग्रीवा के कैंसर की जागरूकता, जांच एवं चिकित्सा कार्यक्रम, मासिक धर्म स्वच्छता (My Pad: Menstrual Hygiene) कार्यक्रम, सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं मुंह एवं गले के कैंसर की जागरूकता, जांच व चिकित्सा कार्यक्रम।

सेवा पथ पर चलते हुए सोसाइटी आज कुल 14 धर्मार्थ चिकित्सालयों का संचालन कर रही है और अपने "नर सेवा नारायण सेवा" के ध्येय वाक्य को यथार्थ कर रही है।

तिमाही विशेष

धराली (उत्तरकाशी) आपदा में स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी द्वारा राहत एवं बचाव कार्य

दिनांक 5 अगस्त 2025 को उत्तराखंड के गंगोत्री धाम जाने वाले मार्ग पर उत्तरकाशी जनपद के ग्राम धराली में आई भीषण आपदा ने घरों, पुलों और सड़कों को बहा दिया तथा कई लोगों की जानें चली गईं। इस त्रासदी ने स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी को भी व्यथित कर दिया और बिना समय व्यर्थ किए सोसाइटी ने आपदा में राहत और बचाव कार्य व उसके क्रियान्वयन की द्विभागीय कार्ययोजना बना ली।

आपदाग्रस्त स्थल से सबसे निकट 20 किलोमीटर की दूरी पर सोसाइटी द्वारा संचालित गंगोत्री धाम चिकित्सालय से एक दल (डॉक्टर, नर्स और फार्मासिस्ट सहित) आवश्यक जीवनरक्षक दवाईयां और अन्य उपयोगी सामग्री लेकर प्रभावित क्षेत्र के लिए तत्परता से निकल गया व दूसरा दल पूरी तन्मयता से आपदा पीड़ितों की चिकित्सीय एवं अन्य सेवाओं हेतु सज्ज हो गया।

डॉ. सुशील बनूनी के नेतृत्व में टीम क्षतिग्रस्त सड़कों व अस्थायी मार्गों को पार करके आपदास्थल तक पहुंची और कठिन परिस्थितियों में बचाव कार्य प्रारंभ कर दिया और साथ ही मार्ग में जो भी पीड़ित जहां मिला, आवश्यकतानुसार उसकी जांच, निदान और परामर्श कर दवाईयां एवं सांत्वना प्रदान की। अनवरत ये राहत कार्य चलता रहा जब तक की सूर्य क्षितिज के नीचे नहीं आ गया। सोसाइटी ने आईटीबीपी के चिकित्सा शिविरों को भी दवाइयों की आपूर्ति भी की, जिसके लिए उन्होंने हमारा सहृदय आधार व्यक्त किया।

राहत कार्य के आंकड़े:

- कुल शिविर (धराली): 19
- रोगी: 452 (इसके अतिरिक्त मार्गों में अनेक स्थानों पर भी हमारी टीम द्वारा मिनी शिविरों के माध्यम से कई पीड़ितों को उपचार प्रदान किया गया जिनकी संख्या इसमें सम्मिलित नहीं है)
- आस–पास के गांवो में शिविर: 3
- रोगी: 54
- कुल रोगियों की संख्या: 506
- इसके अतिरिक्त 26 आपदा पीड़ितों की स्क्रीनिंग कर हेली रेस्क्यू करवाने में भी हमारे चिकित्सालय के डॉक्टर्स ने अपना योगदान दिया
- गंगोत्री धाम चिकित्सालय:
  - कुल उपचारित रोगी: 546
  - भर्ती: 40
  - डे–केयर: 506

इसके अतिरिक्त सोसाइटी के पीपलकोटी चिकित्सालय की टीम ने थराली (चमोली) के आपदा प्रभावित गांवों में भी सहायता पहुंचाई।

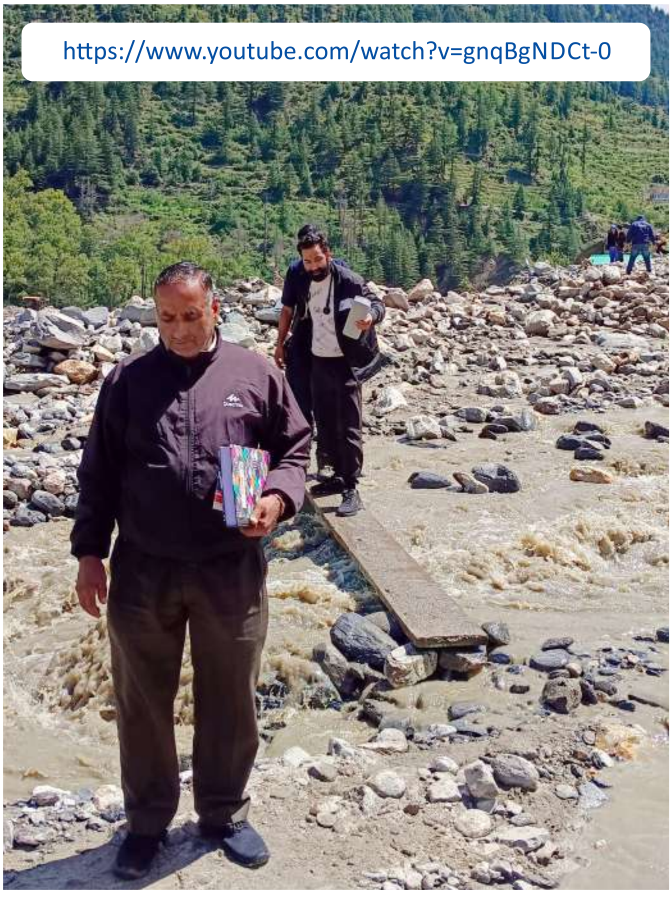

तिमाही विशेष

स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, धर्मावाला में कैथ लैब का शुभारंभ

31 अगस्त 2025 सोसाइटी के लिए ऐतिहासिक दिन रहा जब सोसाइटी के धर्मावाला चिकित्सालय में कैथ लैब का शुभारंभ हुआ। यह कैथ लैब रोटरी फाउंडेशन ऑफ दिल्ली अनंता के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) सहयोग से स्थापित की गई। यह मील का पत्थर न केवल सोसाइटी की प्रगति का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक व आर्थिक रूप से अशक्त वर्गों को न्यूनतम शुल्क में उच्च कोटी की हृदय रोग जांच एवं उपचार सुविधाएं सुलभ कराने के संकल्प का परिणाम है। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के स्वास्थ्य तथा उच्च शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत जी, रोटेरियन व KEI इंडस्ट्रीज के सीएमडी श्री अनिल गुप्ता जी, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार के संस्थापक श्री आशीष भैया जी, प्रांत प्रचारक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तराखंड डॉ. शैलेन्द्र जी, विकासनगर विधायक श्री मुन्ना सिंह चौहान जी, सहसपुर विधायक श्री सहदेव सिंह पुंडीर जी, रोटरी फाउंडेशन ऑफ दिल्ली अनंता से कई सदस्यगण सहित अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। कैथ लैब, जिसे कार्डियक कैथीटेराइजेशन लैबोरेटरी का संक्षिप्त रूप कहा जाता है, चिकित्सालय में एक विशेष कक्ष होता है जहाँ डॉक्टर हृदय और रक्त वाहिकाओं से संबंधित परीक्षण और प्रक्रियाएं करते हैं। यह एक उच्च तकनीक वाला सेटअप है जो हृदय संबंधी कई समस्याओं, जैसे ब्लॉक्ड आर्टरीज, हार्ट अटैक आदि के निदान और उपचार में मदद करता है।

धर्मावाला चिकित्सालय गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में हमेशा अग्रणी रहा है। अपनी उन्नत कैथ लैब के शुभारंभ के साथ, यह अब इस क्षेत्र के साथ साथ दुर्गम, दूरस्थ एवं पहाड़ी के समस्त निवासियों के लिए हृदय से सम्बंधित रोगों के लिए सुगम व सुलभ केंद्र बन गया है।

कैथ लैब में हृदय संबंधी निम्मलिखित प्रक्रियाएं उपलब्ध रहेगीं: • एंजियोग्राफी – हृदय की धमनियों में रुकावटों की जांच के लिए • एंजियोप्लास्टी – स्टेंट के साथ अवरुद्ध धमनियों को खोलना • बैलून वाल्वुलोप्लास्टी – वाल्व संकुचन का इलाज करने के लिए • आपातकालीन हृदयाघात देखभाल – हृदय क्षति को कम करने के लिए त्वरित और सुरक्षित उपचार।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

रोटेरियन श्री मनोज अग्रवाल जी सम्मान ग्रहण करते हुए

कैथ लैब का शुभारंभ करते हुए अतिथिगण

कैथ लैब इकाई

तिमाही विशेष

सोसाइटी व धर्मावाला चिकित्सालय की तेरहवीं वर्षगांठ पर एम. आर. आई. एवं डिजिटल मैमोग्राफी इकाइयों का लोकार्पण

16 सितम्बर 2025 को सोसाइटी ने अपने 13वें स्थापना दिवस पर MRI एवं डिजिटल मैमोग्राफी इकाइयों का विधिवत लोकार्पण धर्मावाला चिकित्सालय में किया। यह दोनों उपकरण भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) सहयोग से स्थापित किए गए हैं । इन दोनों इकाईओं की स्थापना से धर्मावाला चिकित्सालय व उसके 100 किलोमीटर की परिधि में आने वाले दुर्गम, जनजातीय, पर्वतीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोग आधुनिक व उन्नत जांच सेवाएं धर्मावाला में ही प्राप्त कर सकेंगे, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी ।

इस कार्यक्रम में श्री डालचंद जी (क्षेत्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम), श्री मुन्ना सिंह चौहान जी (विधायक, विकासनगर), सहित कई गणमान्यजण उपस्थित रहे। कार्यक्रम को भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार जी ने वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया, सोसाइटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की और शुभकामनाएं दीं।

श्री डालचंद जी मैमोग्राफी मशीन का उद्घाटन करते हुए

MRI मशीन

श्री विपिन कुमार जी, अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सभा को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए

मंचासीन अतिथिगण

रोगी का MRI होता हुआ

लोकार्पण पट्टिका

तिमाही विशेष

ऑर्थोपेडिक विभाग की अनुपम उपलब्धि – टोटल हिप रिप्लेसमेंट (THR) सर्जरी

10 सितम्बर 2025 को धर्मावाला चिकित्सालय के हड्डी रोग विभाग ने अपनी प्रथम टोटल हिप रिप्लेसमेंट (THR) सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न की जो इस चिकित्सालय के हड्डी रोग विभाग की अतुलनीय उपलब्धि थी। 55 वर्षीय यह महिला रोगी गत कई वर्षों से हिप डिस्प्लेसिया एवं गठिया नामक रोग से पीड़ित थी एवं अपने दैनिक कार्यों के लिए भी दूसरों पर निर्भर थी व ऐसी आधुनिक एवं महंगी सर्जरी करवाने की स्थिति में भी नहीं थी। हमारे चिकित्सालय के हड्डी रोग विभाग में दिखाने के बाद, उसकी यह समस्या भी दूर हो गयी और न्यूनतम व्यय पर हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक गुप्ता के कुशल हाथों द्वारा की गई इस सर्जरी से रोगी को पुनः चलने की स्वतंत्रता मिली। यह सेवा अब धर्मावाला चिकित्सालय में सुलभ रूप से उपलब्ध है।

ऑपरेशन से पहले

ऑपरेशन से बाद

ग्रामीण युवाओं का सशक्तिकरण – निःशुल्क नर्सिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्री सत्य साई संजीवनी स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, खारघर (नवी मुंबई) के सहयोग से सोसाइटी ने ग्रामीण, समाजिक एवं आर्थिक रूप से अशक्त एवं जनजातीय वर्ग के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क नर्सिंग शिक्षा कार्यक्रम प्रारंभ किया। एक वर्षीय GNM असिस्टेंट एवं दो – वर्षीय डिप्लोमा इन मेडिकल एंड सर्जिकल नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रारंभिक चयन धर्मावाला चिकित्सालय में हुआ जिसमें से 11 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण हेतु भेजा गया। प्रशिक्षण के दौरान भोजन एवं आवास की सुविधा निःशुल्क प्रदान की गयी। विद्यार्थियों ने ACTREC (टाटा मेमोरियल सेंटर) एवं नवी मुंबई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन अस्पताल में प्रशिक्षण प्राप्त किया और सभी ने महाराष्ट्र स्टेट स्किल डेवलपमेंट बोर्ड परीक्षा में भी उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की। इस प्रशिक्षण में प्रशिक्षुओं को मासिक स्टाइपेंड भी दिया गया। सोसाइटी भविष्य में भी इस मिशन को यथावत जारी रखेगी ताकि अधिक से अधिक ऐसे युवाओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाया जा सके।

प्रशिक्षु नर्सिंग विद्यार्थी

प्रवास विशेष

9 सितम्बर 2025: स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, धर्मावाला

सोसाइटी के धर्मावाला चिकित्सालय ने जिला अंधता नियंत्रण समिति (DBCS) देहरादून के साथ एक सहयोग किया है जिसके तहत सामाजिक व आर्थिक रूप से अशक्त रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाता है। इसी के अंतर्गत देहरादून की अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. निधि रावत ने अपनी टीम के साथ धर्मावाला चिकित्सालय के अन्य विभागों के साथ–साथ नेत्र इकाई का भी भ्रमण किया। डॉ. निधि रावत ने एकीकृत नेत्र इकाई की सभी सुविधाओं, उपकरणों और ऑपरेशन थिएटर का गहनता से अवलोकन, निरीक्षण और समीक्षा की। उन्होंने डॉक्टरों और स्टाफ से बातचीत की और नेत्र इकाई की सर्जरी और ओपीडी मरीजों के बारे में जानकारी ली तथा सराहना की।

एसीएमओ, डॉ. निधि रावत (बायें से दूसरी) सम्मान ग्रहण करती हुयी

11 सितंबर 2025: स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, गंगोत्री धाम

ईशावास्यम आश्रम, गंगोत्री धाम के महंत स्वामी श्री राघवेंद्र सरस्वती जी, तपोवन आश्रम के स्वामी नागर दास जी और अन्य संतों ने चिकित्सालय का भ्रमण किया। अतिथियों ने गंगोत्री धाम चिकित्सालय द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं में गहरी रुचि ली, चिकित्सकों और स्टाफ से भेंट की और उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की तथा भविष्य में प्रगति और समृद्धि की कामना की।

महंत स्वामी श्री राघवेंद्र सरस्वती जी दाएं से दूसरे और स्वामी नागर दास जी दाएं से तीसरे (बैठे हुए)

25 और 26 सितंबर 2025: श्री भगत सिंह कोश्यारी जी का भ्रमण

महाराष्ट्र राज्य के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री श्री भगत सिंह कोश्यारी और कपकोट बागेश्वर के विधायक श्री सुरेश गड़िया ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ पीपलकोटी और श्री बद्रीनाथ धाम स्थित सोसाइटी के चिकित्सालयों का प्रवास किया। इस दौरान, विशिष्ट अतिथियों ने समस्त परिसर का भ्रमण किया, डॉक्टरों और स्टाफ से बातचीत की और चिकित्सालय की सुविधाओं के बारे में विस्तार से जाना। उन्होंने प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता की भूरी भूरी प्रशंसा करी और चिकित्सालयों के निरंतर विकास और सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री भगत सिंह कोश्यारी बाएं से तीसरे

श्री भगत सिंह कोश्यारी, मध्य में न्यूजलैटर हाथों में लिए हुए

कुछ सफलता की कहानियां

दक्षिण अमेरिका से आए एक श्रद्धालु की भावनात्मक कहानी

"चिली देश से श्री केदारनाथ धाम तक आस्था, बीमारी और सेवा की अनोखी यात्रा"

श्री आन्द्रेस क्रूज आर्मानी, दक्षिण अमेरिका के एक देश चिली से श्री केदारनाथ धाम के दर्शन के लिए पधारे। उन्हें अंग्रेजी भाषा थोड़ी कम आती थी पर उनका हृदय भक्ति और कृतज्ञता से पूर्ण था। लंबी पैदल यात्रा के दौरान वे अचानक बीमार पड़ गए। परिवार और देश से दूर, वे निराश थे। उन्हें स्थानीय लोगों ने मार्गदर्शन दिया और वे स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, श्री केदारनाथ पहुंचे।

https://www.youtube.com/watch?v=HuHWjYVmoAk

वहां उन्हें स्नेह, सहानुभूति और निस्वार्थ सेवा का अनुभव हुआ। उन्होंने भावुक स्वर में कहा; "इस स्वामी विवेकानन्द स्थान ने मुझे बहुत सुंदर हृदय से स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 'आप यहां आइए, सब ठीक है, हम आपकी हर जरूरत का ध्यान रखेंगे।' और उन्होंने ऐसा ही किया। यह एक आध्यात्मिक स्थान है जहां आध्यात्मिक लोग कार्य कर रहे हैं।" उनकी यह कहानी यह सिद्ध करती है कि सेवा और करुणा की भाषा विश्व की सभी भाषाओं से उंची होती है।

"जहां हृदय से सेवा होती है, वहीं वह भक्ति बन जाती है।"

श्री आन्द्रेस की यह यात्रा याद दिलाती है कि हिमालय केवल आस्था का धाम नहीं, बल्कि मानवता के सच्चे सेवकों के माध्यम से उपचार का पवित्र स्थान भी है ।

तीर्थ से चिकित्सा तक – श्री बद्रीनाथ में मानवता का सजीव उदाहरण

श्रीनिवास जी और उनके भाई प्रमण्य जी जब श्री बद्रीनाथ धाम की तीर्थ यात्रा पर पहुंचे, तब उन्होंने नहीं सोचा था कि यह यात्रा उन्हें केवल आध्यात्मिक शांति ही नहीं, बल्कि मानवता की सजीव अनुभूति भी कराएगी। मंदिर में पूजा–अर्चना के पश्चात प्रमण्य जी को ज्वर जैसा महसूस हुआ। परिवार चिंतित था और चिकित्सकीय सहायता की खोज में निकला। तभी एक स्थानीय युवक के मार्गदर्शन से वे स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, श्री बद्रीनाथ धाम पहुंचे।

https://www.youtube.com/watch?v=xu8SjrfQCDs

कुछ सफलता की कहानियां

वहां उन्हें केवल उपचार नहीं, अपितु स्नेह, समर्पण और सेवा की भावना मिली। चिकित्सा शिक्षा विभाग, कर्नाटक सरकार से सेवानिवृत्त श्री श्रीनिवास जी ने भावुक स्वर में कहा – "मैं आश्चर्यचकित हूँ कि ऐसी निष्ठा और सेवा तो निजी अस्पतालों में भी दुर्लभ है। यहां के चिकित्सक और स्टाफ वास्तव में बहुत उत्तम सेवा कार्य कर रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों को यह चिकित्सालय जीवंत कर रहा है।"

उनके शब्द हमारी सोसाइटी के मूल उद्देश्य को प्रतिध्वनित करते हैं– सेवा, सहानुभूति और चिकित्सकीय श्रेष्ठता को जन–जन तक पहुंचाना, विशेषतः दुर्गम हिमालयी क्षेत्रों में।

"मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है।" –स्वामी विवेकानन्द

निःस्वार्थ सेवा का यह अनुभव सिद्ध करता है कि जब उपचार में स्नेह हो, तो चिकित्सा भी आराधना बन जाती है।

निराशा से विश्वास तक – श्री केदारनाथ धाम में माँ का चमत्कारिक स्वास्थ्य लाभ

https://www.youtube.com/watch?v=nXUCPFa4K0A

कर्नाटक से एक श्रद्धालु परिवार श्री केदारनाथ धाम के दर्शन हेतु आया था। उनके हृदय में भक्ति और प्रभु के चरणों में नतमस्तक होने की आकांक्षा थी। परंतु यात्रा के मध्य उनकी वृद्ध माता अचानक गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गईं। पहाड़ी क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों में पुत्र असहाय होकर रो पड़ा, न उसे उपचार का स्थान ज्ञात था, न ही कोई आशा की किरण दिखाई दे रही थी। तभी स्थानीय श्रद्धालुओं ने उन्हें मार्ग दिखाया – स्वामी विवेकानन्द धर्मार्थ चिकित्सालय, श्री केदारनाथ धाम ।

वहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने तत्परता और स्नेहपूर्वक उनका उपचार आरंभ किया। शीघ्र ही माता जी की स्थिति में आश्चर्यजनक सुधार हुआ। पुत्र की आंखों से आंसू बह निकले। उसने भावुक स्वर में कहा, "हम पूरी तरह निराश हो चुके थे, पर यहां की सेवा देखकर लगा जैसे माँ को अपना ही घर मिल गया हो। इतने कम समय में उनका स्वास्थ्य सुधर गया, इसके लिए हम सदा आभारी रहेंगे।" माता जी ने भी हाथ जोड़ कर चिकित्सालय के सभी डॉक्टरों और स्टाफ को आशीर्वाद देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

"जहां करुणा कर्तव्य बन जाती है, वहां चिकित्सा ईश्वर की उपासना बन जाती है।"

यह प्रेरणादायक कथा सिद्ध करती है कि स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी हिमालय की ऊंचाईयों तक मानवता की ज्योति जलाए हुए है, सेवा, सहानुभूति और समर्पण की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत करते हुए।

विशेष चिकित्सा शिविर

धर्मावाला: नियमित पाक्षिक यूरोलोजी शिविर

6 शिविरों में 49 यूरो सर्जरी

सर्जरी शिविर – पेटशाल

सर्जन डॉ. अजय अग्रवाल और
एनेस्थेटिस्ट डॉ. सी एस मार्शल, रुद्रपुर

मोबाइल नेत्र शिविर– धर्मावाला

धर्मावाला चिकित्सालय ने सक्षम संगठन के सहयोग से अपने क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले दूरस्थ पहाड़ी व पिछड़े ग्रामों में तीन धर्मार्थ मोबाइल नेत्र शिविरों का सफल आयोजन किया, जिनमें कुल 237 लाभार्थियों की आंखों की जांच की गई। जिन लोगों में आंखों की समस्याएं पाई गई, उन्हें दवाएं और चश्मे दिए गए और जिनमें मोतियाबिंद या अन्य कोई गंभीर आंखों की समस्या मिली उन्हें आगे के उपचार हेतु धर्मावाला चिकित्सालय रेफेर किया गया।

कांवड़ तीर्थयात्रियों के लिए चिकित्सा शिविर– हरिद्वार और दिल्ली

हरिद्वार (कुल रोगी 4201)

दिल्ली (कुल रोगी 707)

मल्टी डिसिप्लिनरी शिविर

अपनी आहुति प्रदान करते हमारे चिकित्सक गण

धर्मावाला

कुल शिविर: 13
कुल लाभार्थी: 7335

यूरोलोजिस्ट
डॉ. विकास बंसल
डॉ. प्रशांत जैन
डॉ. तेजस्वी कामरा
डॉ. आशुतोष कुमार सिंह
डॉ. अमित जेटली
डॉ. कुंवर विशाल सिंह

सर्जिकल ओंकोलोजिस्ट
डॉ. अजीत तिवारी

न्यूरो सर्जन
डॉ. गौरव धाकरे

गैस्ट्रो सर्जन
डॉ. वेंकटारमणी रेड्डी

प्लास्टिक सर्जन
डॉ. कुश ऐरन

फिजिशियन MD
डॉ. एस. के. बक्शी

आयुर्वेदिक सर्जन एवं प्रोक्टोलॉजिस्ट
डॉ. विनोद कुमार गुप्ता

हरिद्वार

कुल शिविर: 11
कुल लाभार्थी: 1690

न्यूरोलॉजिस्ट
डॉ. मुकेश कुमार

प्लास्टिक सर्जन
डॉ श्रेओसी सरकार

हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. देवव्रत साई

यूरोलोजिस्ट
डॉ. शिव नाथ मेहरोत्रा

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. ए. के. जैन
डॉ. अनु अग्रवाल

पैथोलॉजिस्ट
डॉ. सुरेन्द्र कुमार कौशिक
डॉ. पिनाकिन कौशिक

त्वचा रोग विशेषज्ञ
डॉ. अदिति वशिष्ठ
डॉ. आत्रेयो चक्रबर्ती

ई.एन.टी विशेषज्ञ
डॉ. एस. पी. सिंह

स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. अनुपम पटेल

नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीरज शर्मा

साइकोथैरेपिस्ट
डॉ. श्याम लता जुयाल

पेटशाल

कुल शिविर: 3
कुल लाभार्थी: 70

फिजिशियन व मधुमेह रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलाम्बर भट्ट

स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. उषा उप्रेती

नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. जे सी दुर्गापाल

दिल्ली

कुल शिविर: 32
कुल लाभार्थी: 1157

न्यूरोलोजिस्ट
डॉ. निलेश आर. जाधव

न्यूरो सर्जन
डॉ. शरद पांडे

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. सर्वेश पांडे

जनरल फिजिशियन
डॉ. मोतीलाल नेगी
डॉ. अश्वनी राय

स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. गुंजन मल्होत्रा
डॉ. सुजाता गर्ग

त्वचा रोग विशेषज्ञ
डॉ. एस. भार्गव
डॉ. मानसी देशमुख
डॉ. प्रतीक चौहान

गुर्दा रोग विशेषज्ञ
डॉ. सौरभ शर्मा

बाल रोग विशेषज्ञ
डॉ. आरती

मल्टी डिसिप्लिनरी शिविर

अपनी आहुति प्रदान करते हमारे चिकित्सक गण

वृंदावन

कुल शिविर: 12 कुल लाभार्थी: 2,666

हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. राज कुमार गुप्ता

जनरल फिजिशियन
डॉ. अनुभव राकेश सोनी
डॉ. चितरंजन सुथार
डॉ. कुशल जैन
डॉ. रोहन उप्पल
डॉ. शुभम
डॉ. प्रधान
डॉ. सुषमा
डॉ. तन्वी दुआ
डॉ. आदित्य
डॉ. अभिषेक भारद्वाज
डॉ. आइंस्टीन चौहान
डॉ. नागेश कौशल

इमरजेंसी मेडिसिन विशेषज्ञ
डॉ. अर्पण कुमार
डॉ. जय कुमार खोडभया
डॉ. शिवम कुमार
डॉ. दीक्षा मित्तल
डॉ. चन्द्र प्रकाश गौतम
डॉ. फाज़

जनरल सर्जन
डॉ. आशुतोष सिंह
डॉ. सूरज लश्करी
डॉ. विक्रम यादव
डॉ. मनोज गुप्ता
डॉ. मीत पटेल

हड्डी रोग विशेषज्ञ
डॉ. हुसैन अहमद
डॉ. झील साकडासरिया
डॉ. रविकांत
डॉ. विवेक चंदक
डॉ. प्रखर गर्ग
डॉ. रविन्द्र बंसल
डॉ. आशीष शर्मा
डॉ. कृष्णा
डॉ. रुशि
डॉ. सुधांशु अग्रवाल
डॉ. उत्सव महेश्वरी

स्त्री रोग विशेषज्ञ
डॉ. वर्तिका किशोर
डॉ. हुमा परवीन
डॉ. मीनल मिनेजिस
डॉ. तान्या पुरोहित
डॉ. जैनब अब्बास
डॉ. नीलिमा इवोन्स
डॉ. समीरा बंसल
डॉ. लीना गुप्ता
डॉ. तलत नाज़
डॉ. आस्था
डॉ. अरुणा सदारंगनी

ई.एन.टी. विशेषज्ञ
डॉ. रोहित गर्ग
डॉ. प्राची तहिलियानी
डॉ. शशि सिंह
डॉ. अभिजीत शर्मा
डॉ. उज्जवल मेहरोत्रा
डॉ. साक्षी
डॉ. मुस्कान कालरा

बाल रोग विशेषज्ञ
डॉ. अभिजीत
डॉ. दीपक पिप्पल
डॉ. मानवी अग्रवाल
डॉ. अशोक अग्रवाल
डॉ. प्रियदर्शिनी
डॉ. अक्षय पंवार
डॉ. दीपिका
डॉ. आकांक्षा यादव
डॉ. सचिन यादव
डॉ. मंजरी

त्वचा रोग विशेषज्ञ
डॉ. झलक शाह
डॉ. सर्वेश कुमार कन्नौजिया
डॉ. वैशाली
डॉ. निधि पाटिल
डॉ. अनु गर्ग
डॉ. पूजा सिंह

नेत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. मीमांशा महेश्वरी
डॉ. मनन कुमार

दंत चिकित्सक
डॉ. शशांक
डॉ. लोकेन्द्र
डॉ. सत्यम

मनोचिकित्सक
डॉ. कुणाल जिंदल
डॉ. पुलकित अग्रवाल

सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर

शिविर: 164 लाभार्थी: 22482

अजीतपुर, हरिद्वार

350 बस्ती आंगनबाड़ी केंद्र, करोल बाग, दिल्ली

मनिअगर, पेटशाल

भैलुड़ा, उत्तरकाशी

सरनोल, बड़कोट

तेहरा, वृन्दावन

डूंगर, नारायणकोटी

थराली, पीपलकोटी

सामुदायिक कार्यक्रम

माई पैड (मासिक धर्म स्वच्छता) कार्यक्रम – 'मेरी पहचान– खुद को जाने, खुद को पहचाने'

संपर्क किए गए गांव: 177 (हमारे 80% लाभार्थी बुक्सा और जौनसारी जनजातियों के हैं)

कुल	प्रारंभ से	इस तिमाही में
लाभार्थी	12,339	916
वितरित पैकेट	85,812	2,326

बाल गोकुलम (बच्चों में हिन्दू संस्कारों के विकास का साप्ताहिक कार्यक्रम)

प्रत्येक रविवार को, सोसाइटी के चिकित्सालय नियमित रूप से बाल गोकुलम का आयोजन करते हैं, जो बच्चों में सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के विकास के उद्देश्य से एक पहल है। ये कार्यक्रम चिकित्सालयों के साथ–साथ आस–पास के गांवों में किसी के भी घर पर भी आयोजित किए जाते हैं। हमारे चिकित्सालयों के आसपास रहने वाले और निकटवर्ती गांवों के बच्चे अत्यंत उत्साहपूर्वक इन कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। बाल गोकुलम की गतिविधियों में मनोरंजक खेल, श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों का पाठ, पंचतंत्र से कथा वाचन और योग आदि सम्मिलित हैं।

आयोजित बाल गोकुलम सत्रों की कुल संख्या: 49 | भाग लेने वाले बच्चों की कुल संख्या: 536

पेटशाल

उत्तरकाशी

हरिद्वार

बड़कोट

स्थापना दिवस समारोह

पेटशालः 20 जुलाई 2025 – सातवां स्थापना दिवस

इस अवसर पर श्री पवन जी, श्री कमल जी, डॉ नीलांबर भट्ट, डॉ डी सी पुनेरा, डॉ अनिल पांडे, डॉ उषा उप्रेती सहित चिकित्सालय स्टाफ आदि उपस्थित थे

धर्मावालाः 16 सितम्बर 2025 – तेरहवां स्थापना दिवस

बड़कोटः 24 सितम्बर 2025 – आठवां स्थापना दिवस

समारोह में श्री शांति प्रसाद बेलवाल जी, श्री प्रेम सिंह जी, श्री कैलाश जगूड़ी जी, श्री विपिन सेमवाल जी, श्री सत्यप्रसाद नौटियाल जी एवं सहित चिकित्सालय स्टाफ आदि उपस्थित रहे

गंगोत्री धामः 29 सितम्बर 2025 – चौथा स्थापना दिवस

इस अवसर पर ईशावास्यम आश्रम के महंत स्वामी श्री राघवेंद्र सरस्वती जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। साथ ही अन्य संत, गणमान्य व्यक्ति सहित चिकित्सालय स्टाफ आदि उपस्थित भी उपस्थित थे।

उत्सवों की झलकियां

डॉक्टर्स डे (चिकित्सक दिवस) : धर्मावाला

गुरु पूर्णिमा एवं गुरु दक्षिणा

धर्मावाला

श्री बद्रीनाथ धाम

हरेला पर्व

धर्मावाला

नारायणकोटी

उत्सवों की झलकियां

रक्षा बन्धन

धर्मावाला

स्वतंत्रता दिवस

नारायणकोटी

धर्मावाला

हरिद्वार

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

गंगोत्री

नारायणकोटी

विश्वकर्मा जयंती

धर्मावाला

गंगोत्री

पेटशाल

आंकड़े

पंजीकरण

अन्य सेवाएं

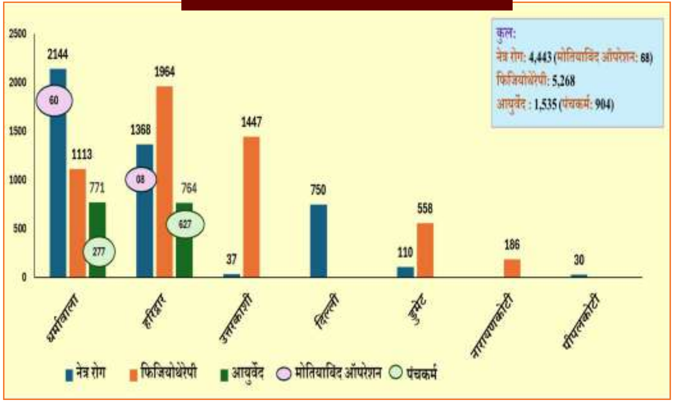

अल्ट्रासाउंड

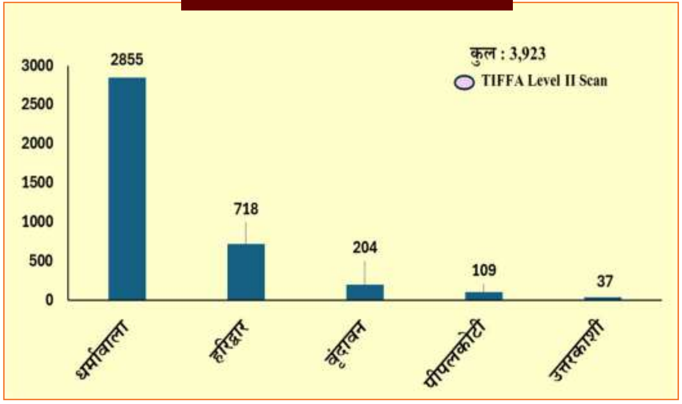

चिकित्सालय	सर्जरी (758)	
	मेजर	माइनर
धर्मावाला	360	130
हरिद्वार	24	7
नारायणकोटी	0	110
पीपलकोटी	0	104
बड़कोट	0	11
उत्तरकाशी	0	5
पेटशाल	5	2
कुल	**389**	**369**

सर्जरी में शामिल हैं सामान्य, स्त्री रोग, यूरो, स्पाइन, ई.एन.टी., ऑर्थो, मैक्सिलो-फेशियल और नेत्र सर्जरी।

सुविधाएं	धर्मावाला	हरिद्वार	कुल
सी टी स्कैन	1509	NA	**1509**
यूरोफ्लोमेट्री	85	11	**96**
एंडोस्कोपी	147	NA	**147**
इको (ECHO)	159	NA	**159**
ऑडियोमेट्री	39	NA	**39**
स्पाईरोमेट्री	13	9	**22**

उपरोक्त सुविधाएं केवल धर्मावाला एवं हरिद्वार चिकित्सालयों में उपलब्ध हैं।

चिकित्सालय	लैब टेस्ट	इमरजेंसी	एक्स-रे	ई.सी.जी.	डेंटल
धर्मावाला	67860	1252	4923	1714	1331
उत्तरकाशी	5566	36	519	192	511
नारायणकोटी	5617	271	779	180	111
बड़कोट	1792	87	487	45	396
पीपलकोटी	6288	442	459	234	187
श्री बद्रीनाथ	6150	1056	255	231	NA
पेटशाल	4166	85	320	46	181
श्री केदारनाथ	12650	7136	1169	319	NA
हरिद्वार	9615	459	898	690	1969
गंगोत्री	924	271	80	31	NA
डुमेट	32	NA	NA	NA	1072
दिल्ली	1896	NA	NA	24	938
वृंदावन	1257	NA	788	115	346
कुल	**123813**	**11095**	**10677**	**3821**	**7042**

1,85,952	1,23,813	11,095	10,677	3,923	758
पंजीकरण	लैब टेस्ट	इमरजेंसी	एक्स–रे	अल्ट्रासाउंड	सर्जरी

हमारे चिकित्सालयों की श्रृंखला

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः

चार धाम साथी ऐप
डाउनलोड करने हेतु स्कैन करें

FOR DOMESTIC DONATIONS:
State Bank of India
Swami Vivekanand Health Mission Society
A/C No: 32584491256
IFSC Code: SBIN0010626

FOR INTERNATIONAL DONATIONS:
State Bank of India
Swami Vivekanand Health Mission Society
A/c No. - 00000040181017724
IFSC Code- SBIN0000691
MICR - 110002087
Swift Code- SBININBB104

दान देने के लिए
स्कैन करें

सभी दान 80G के तहत कर-मुक्त हैं।

svhmuk@gmail.com
https://svhmuk.in
https://twitter.com/svhmuk/
https://www.facebook.com/svhmu/
https://www-instagram.com/svhmuk/
youtube.com/@swamivivekanandhealthmissi7701

Published by: डॉ अनुज सिंघल (सचिव) 9410924299, On behalf of: स्वामी विवेकानन्द हैल्थ मिशन सोसाइटी Published at: B-207 पैसिफिक एस्टेट, अनुराग नर्सरी, कांवली रोड, देहरादून, उत्तराखण्ड-248001, Printed at: सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून, उत्तराखंड - 248001